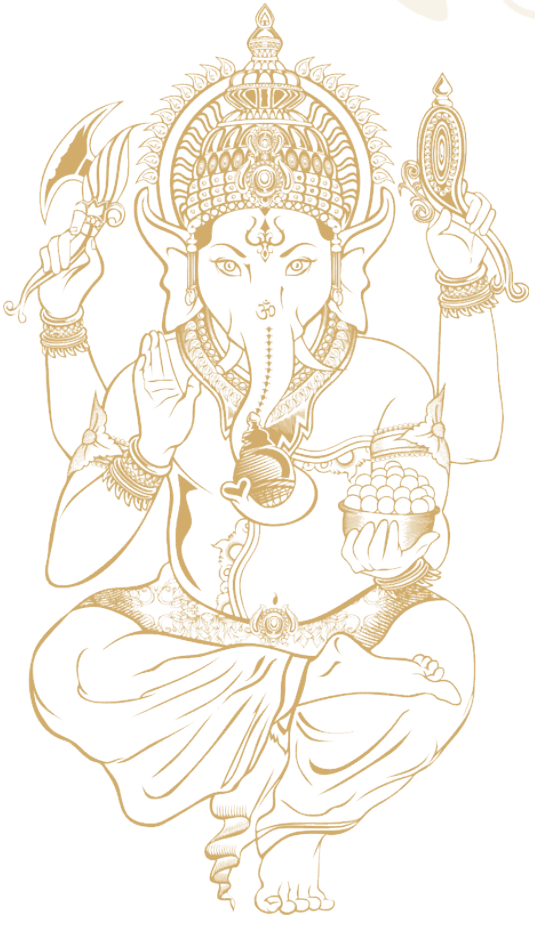

Shiv kumar mishra

Pratibha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121119020

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	04/10/1990
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	12:10:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	15:42:48 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Faridabad
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	28:24:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	06:15:09
18:11:09	सूर्यास्त	18:03:46
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	धनु	03:01:33	शनि 3वर्ष 8मा 29दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	कन्या	17:03:22	शुक्र
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	मीन	14:02:13	04/07/2018
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल	वृष	18:56:38	04/07/2038
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध	कन्या	03:45:32	शुक्र 02/11/2021
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु	कर्क	15:05:06	सूर्य 02/11/2022
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	कन्या	09:43:17	चन्द्र 03/07/2024
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि	धनु	25:04:27	मंगल 02/09/2025
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु व	मक	11:21:15	राहु 02/09/2028
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु व	कर्क	11:21:15	गुरु 04/05/2031
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष	धनु	12:01:52	शनि 04/07/2034
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप	धनु	18:05:47	बुध 04/05/2037
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	तुला	22:33:07	केतु 04/07/2038

लग्न-चलित

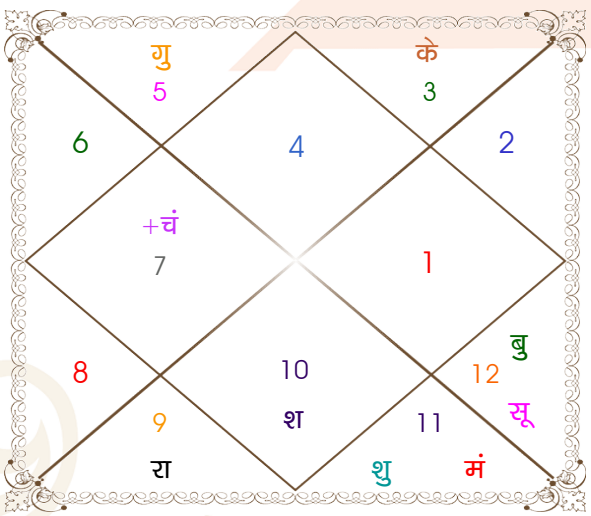

लग्न-चलित

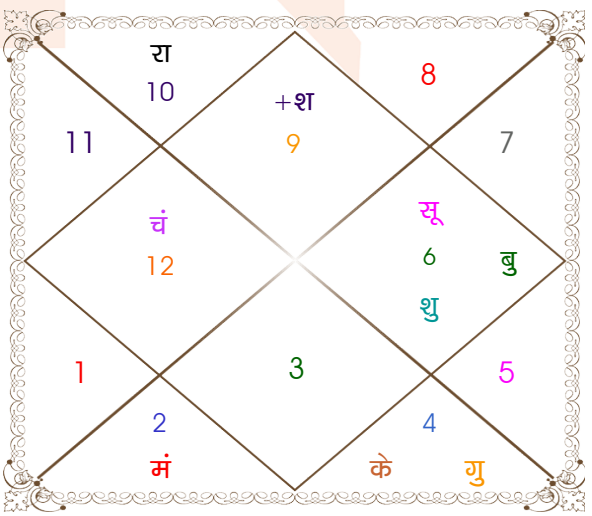

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ौपअ ानउंत उपेीतं का वर्ग सर्प है तथा च्तंजपइीं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपअ ानउंत उपेीतं और च्तंजपइीं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअ ानउंत उपेीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगलौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तंजपइीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तंजपईं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअ ानउंत उपेीतं तथा च्तंजपईं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।